अभी तक तैयार नहीं हुए हैं। पहले इन संयंत्रों के 1988-89 में पूरे होने की आशा थी। गैस की आपूर्ति के लिए गैस अथारिटी आफ इंडिया लि० के साथ चार सप्ताह की अवधि के करार पर हस्ताक्षर करने के लिए इन तीनों कम्पनियों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं। प्रस्तावित करार में अन्य बातों के साथ-साथ निर्धारित न्यूनतम मात्रा से कम गैस उठाने के लिए दण्ड की व्यवस्था की गई है। एच०बी०जे० पाइपलाइन के साथ लगाए गए तीन बिजली संयंत्र भी वचनबद्ध स्तर से कम मात्रा में गैस उठा रहे हैं। इसके अलावा इन संयंत्रों द्वारा उठाई जा रही गैस की मात्रा में भारी उतार-चढ़ाव होता है। यह प्रस्ताव रखा गया है कि बिजली संयंत्रों के लिए भी न्यूनतम मात्रा तक गैस उठाने की गारंटी रखी जाए।

उत्तर प्रदेश के औरैया में गैस आधारित परियोजना की प्रतिस्थापित क्षमता

1596. **श्री राम नरेश यादव:** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश में औरैया में गैस पर आधारित विद्युत परियोजना का निर्माण किया गया है;

(ख) यदि हां, तो उस विदेशी कम्पनी का नाम क्या है, जिसके सहयोग से इस परियोजना का निर्माण किया गया है तथा इस परियोजना पर कुल कितनी धनराशि खर्च की गई है;

(ग) इस परियोजना की कुल प्रतिस्थापित उत्पादन क्षमता कितनी है; और

(घ) क्या इस परियोजना की प्रतिस्थापित क्षमता का पूरी तरह उपयोग किया जा रहा है और यदि नहीं, तो कितने प्रतिशत प्रतिस्थापित क्षमता का वर्तमान में उपयोग किया जा रहा है तथा परियोजना की प्रतिस्थापित क्षमता का पूरी तरह से उपयोग न किये जाने के क्या कारण हैं?

ऊर्जा मंत्री, साथ में नागर विमानन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री आरिफ मोहम्मद खान): (क) जी, हां।

(ख) औरैया गैस आधारित विद्युत परियोजना के लिए मुख्य संयंत्र उपस्कर पैकेज मैसर्स मित्सुबिसी हैवी इन्डस्ट्रीज, जापान द्वारा आपूर्त किए गए हैं। परियोजना पर अब तक लगभग 526 करोड़ रु० की धनराशि खर्च की जा चुकी है।

(ग) परियोजना की कुल क्षमता 652 मैगावाट होगी जिसमें से 550 मेगावाट की क्षमता पहले ही चालू की जा चुकी है।

(घ) अंशतः इस वास्तविकता के कारण कि यह संयंत्र अभी अपनी स्थिरीकरण की अवस्था में है तथा अंशतः अन्य कारणों यथा प्रणाली मांग का अभाव और कुछ उपस्करों के कार्यकरण में समस्याओं की वजह से इस संयंत्र का पूरे भार पर प्रचालन किया जाना सम्भव नहीं हो पाया है।

Double Ciruit Line from Chandrapur to Ramagundam

1597. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether there is any proposal for a 400 KV double circuit line from Chandrapur to Ramagundam; if so, what are the details thereof; and

(b) what is the expected date of its completion?

THE MINISTER OF ENERGY WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIA-